Notes by Akhilesh Kumar
Jk college Biraul Darbhanga
Department of commerce

Notes BY: AKHILESH KUMAR(Guest Teacher)

DEPARTMENT OF COMMERCE

JANTA KOSHI COLLEGE BIRAUL, DARBHANGA

FOR-LNMU B. Com part-2 Subsidiary paper -3 Indian economy and entrepreneurship development

***Unit- 5 Entrepreneurship Development* And For I. com**

Entrepreneurship Lecture-4

Easy to Understand the concept

प्रश्न 4. उधमी तथा प्रबंधक में अंतर कीजिए |

Differentiate Between Entrepreneur and Manager.

उत्तर- उधमी एव प्रबंधक (Entrepreneur and Manager)

सामान्यता उधमी एवं प्रबंधक को समान रुप में एक ही अर्थ में प्रयुक्त किया जाता है क्योंकि दोनों ही परिमाण उत्पादित करते हैं | यदपि दोनों विभिन्न संदर्भों में परिणाम को उत्पादित करते हैं फिर भी दोनों निर्णय एक नेतृत्व कार्य में जुड़े हुए हैं उनके द्वारा संगठनात्मक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अन्य व्यक्तियो द्वारा काम लिया जाता है उन्हें प्रभावशाली निष्पादन के लिए प्रेरित किया जाता है दोनों ही अपनी भूमिका को प्रभावशाली बनाने के लिए प्रबंध एवं उद्यमिता के निश्चित सिद्धांतों का अनुसरण करते हैं

जहां तक उधमी एव प्रबंधक विभिन्नता का प्रश्न है, उधमी एक व्यापक शब्द है तथा प्रबंधक उधमिता का मध्यम है| एक उधमी प्रबन्धक की नियुक्ति कर सकता है |

फ्रिज का कहना है की उधमी प्रबंधक से बड़ा होता है उधमी नव प्रवर्तक एव प्रवर्तक दोनों ही है |

प्रबन्धक कभी भी उधमी का स्थान ग्रहण नहीं कर सकता है उधमी एक प्रबन्धक हो सकता है परंतु वैतनिक (वेतन पाने वाला) प्रबंधक उधमी की जगह नहीं ले सकता लघु आकार के व्यवसायिक उपक्रमों का संचालन एवं प्रबन्धक स्वयं उधमियो द्वारा किया जाता है, अत: इन उपक्रमों में उधमी, प्रबन्धक के रूप में भी कार्य करते है |

इसके विपरीत, बड़े उपक्रमों में उधमी एव प्रबन्धक अलग-अलग होते है | कम्पनी प्रारूप में उधमी प्रवर्तक के रूप में कार्य करते है जबकि प्रबन्धक वेतनभोगी कर्मचारी होते हैं |

उधमी संग्रह संगठन के लिए व्यापक नीति का निर्धारण करता है जोखिम उठाने का कार्य करता है तथा उधम का संचालन करता है प्रबंधक तथा उधमी में मुख्यतः निम्नलिखित अंतर पाए जाते हैं-

i. *उधमी उपक्रम की स्थापना करता है जबकि प्रबंधक उपक्रम का संचालन करता है |*
ii. *उधमी व्यवसाय का स्वामी होता है जबकि प्रबंधक सामान्यता उपक्रम का वेतन भोगी कर्मचारी होता है |*

iii. *उधमी अपने व्यवसाय के संचालन के संबंध में पूर्णतया स्वतंत्र होता है जबकि प्रबंधन के स्वामित्व पर आश्रित रहता है |*

iv. *उधमी सम्पूर्ण व्यवसाय की सारी जोखिम स्वयं वहन करता है, जबकि प्रबंधक द्वारा व्यवसाय की जोखिम वहन करने का प्रश्न ही उत्पन्न नहीं होता |*

v. *उधमी नीतियों का निर्धारित करता है जबकि प्रबंधक उनका क्रियान्वयन करता है |*

vi. *उधमी का प्रतिफल लाभ होता है जबकि प्रबंधक का प्रतिफल वेतन होता है |*

vii. *उधमी प्रबंधक भी हो सकता है परंतु प्रबंधक उधमी नहीं हो सकता |*

viii. *उधमी में पेशेवर योग्यता का होना आवश्यक नहीं है, जबकि प्रबंधक में पेशेवर योग्यता का होना आवश्यक है |*

ix. *उधमी व्यवसाय से बाहर का प्रबंध करता है जबकि प्रबंधक संस्था के अंदर रहकर प्रबंध करता है |*

x. *उधमी प्रबंधक से बड़ा होता है उधमी नव प्रवर्तक एव प्रवर्तक दोनों ही है |*

xi. उधमी नवाचार करता है जबकि प्रबंधक का नवाचार से कोई संबंध नहीं है ।